9.2 लोक व्यय का वर्गीकरण (Classification of Public Expenditure)

वर्गीकरण विभिन्न मदों को क्रमबद्ध कर व्यवस्थित करना (Systematic arrangement) है। लो व्यय के वर्गीकरण के द्वारा इस व्यय के विभिन्न मदों को वैज्ञानिक एवं आर्थिक आधारों पर क्रमबद्ध कि जाता है। इससे विभिन्न प्रकार के लोक व्यय के प्रभावों का विश्लेषण करना सम्भव होता है।

भिन्न-भिन्न लेखकों ने भिन्न-भिन्न आधारों पर लोक व्यय का वर्गीकरण किया है। नीचे कुछ महत्वपू वर्गीकरण को प्रस्तुत किया गया है।

(1) **डाल्टन का वर्गीकरण** (Dalton's Classification)—डाल्टन का कहना है कि लोक व्यय क वैज्ञानिक वर्गीकरण इसकी सूची (catalogue) बनाने से भिन्न है। वर्गीकरण कई वैकल्पिक सिद्धान्तों आधार पर किया जा सकता है। फिर सरकारी अधिकारियों द्वारा सम्पादित विभिन्न कार्यों के आधार प 'कार्यात्मक वर्गीकरण' (functional classification) वर्गीकरण सम्भव है या वास्तविक प्रशासनिक विभाग के व्यय के आधार पर 'विभागीय वर्गीकरण' (Departmental classification) हो सकता है। उनका कहन है कि कुछ वर्गीकरण ऐसे भी हैं जो किसी विशेष समस्या को उजागर करते हैं।

उन्होंने ऐच्छिक व्यय (optional expenditure) तथा अनिवार्य (obligatory) व्यय के मध्य अन्त किया है। पहला वह है जिसमें वृद्धि या कमी करने में सरकार स्वतन्त्र होती है, जबकि अतीत के करार औ अन्य कानूनी प्रतिबद्धता के कारण दूसरे प्रकार के व्यय में कमी-बेशी करने सरकार स्वतन्त्र नहीं है।

डाल्टन ने लोक व्यय को वास्तविक (real) या सुविस्तृत (exhaustive) तथा हस्तान्तरण (transfer व्यय में भी बांटा है। वास्तविक व्यय वह है जो वस्तुतः वस्तुओं तथा सेवाओं का उपयोग करता है। हस्तान्तरण व्यय की हालत वस्तुओं तथा सेवाओं का ऐसा उपयोग नहीं होता है; यह वस्तुओं तथा सेवाओं के केवल

Scanned with CamScanner

स्वामित्व का हस्तान्तरण है। रक्षा पर व्यय, शिक्षा पर व्यय, आदि वास्तविक व्यय हैं, जबकि पेन्शन भुगतान, ऋण पर ब्याज, आदि हस्तान्तरण व्यय हैं। वास्तविक व्यय उत्पादन की मात्रा तथा स्वरूप का निर्धा करता है। हस्तान्तरण व्यय का उत्पादन पर परोक्ष प्रभाव पड़ता है, किन्तु वितरण पर प्रत्यक्ष रूप से।

(2) **पीगू का वर्गीकरण** (Pigou's Classification)—डाल्टन की तरह पीगू ने भी लोक व्यय हस्तान्तरण एवं गैर-हस्तान्तरण व्यय में बांटा। अपनी पुस्तक, *A Study in Public Finance*, के प्रथ संस्करण में पीगू ने गैर-हस्तान्तरण व्यय को सुविस्तृत व्यय कहा, लेकिन इसके द्वितीय संस्करण में इसे वास्तविक व्यय का नाम दिया। बाद के संस्करणों में इसे गैर-हस्तान्तरण व्यय ही लिखा जिससे उनका तात्प था सरकारी उपयोग के लिए उत्पादक साधनों की चालू सेवाओं की खरीद। ऐसे व्यय से सामाजिक आ (Social Income) का सृजन होता है। हस्तान्तरण व्यय मुफ्त में किया गया भुगतान है; जैसे सार्वजनि ऋण पर ब्याज का भुगतान, पेन्शन, मुद्रा में किया गया बीमारी लाभ (sickness benefit), विशेष वस्तु के उत्पादन को सब्सिडी, लोक ऋण का भुगतान, आदि।

(3) **एडम का वर्गीकरण** (Adam's Classification)—कार्यों के आधार पर एडम (H.C. Adam) लोक व्यय को निम्न तीन वर्गों में बांटा है :

(i) **संरक्षात्मक व्यय** (Protective Expenditure)—लोक व्यय के इस वर्ग में उन खर्चों को शामि किया जाता है जिन्हें सरकार हथियार तथा गोला-बारूद खरीदने पर खर्च करती है तथा पुलिस, प्रशासन तथ न्याय व्यवस्था कायम रखने के लिए मौद्रिक रूप में वहन करती है।

(ii) **वाणिज्यिक व्यय** (Commercial Expenditure)—रेलवे, सड़कों, राजमार्गों, बन्दरगाहों, आदि प किए खर्चों को इस वर्ग में शामिल किया जाता है।

(iii) **विकास व्यय** (Development Expenditure)—इस वर्ग में सरकार द्वारा देश के सामाजिक एव आर्थिक विकास पर किए गए व्यय को शामिल किया जाता है। आज की शब्दावली में इसे आर्थिक एव सामाजिक इन्फ्रास्ट्रकचर पर किया खर्च कहा जाता है; जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, नहर, बिजली, जल आपूर्ति आदि पर किया गया व्यय।

इस वर्गीकरण का प्रमुख लाभ यह है कि इससे लोगों की आर्थिक दशा की जानकारी मिल सकती है लेकिन इसमें परस्पर व्यापन (Overlapping) का दोष है। ऐसा कहना उचित नहीं होगा कि संरक्षात्मक तथा वाणिज्यिक व्यय विकास व्यय से बिल्कुल भिन्न हैं क्योंकि इनका भी प्रभाव आर्थिक विकास पर पड़ता है। यही कारण है कि सेलिंगमैन, बैस्टेबल, मिल, आदि अर्थशास्त्रियों ने इस वर्गीकरण की आलोचना की।

(4) **उत्पादक एवं अनुत्पादक व्यय** (Productive and Unproductive Expenditure)—इस वर्गीकरण के अनुसार वह लोक व्यय जिसकी प्रकृति उपभोग की तरह होती है, अनुत्पादक व्यय है। इसके विपरीत निवेश की प्रकृति का लोक व्यय जिसके द्वारा अर्थव्यवस्था की उत्पादन क्षमता में वृद्धि होती है, उत्पादक लोक-व्यय कहलाता है। उन्मुक्त बाजार पर आधारित अर्थव्यवस्था में केवल सामाजिक संरचना के सृजन तथा रख-रखाव संबंधी लोक व्यय को उत्पादक समझा गया। प्रशासन, प्रतिरक्षा, न्याय, कानून व्यवस्था, आदि पर किये गये लोक व्यय को अनुत्पादक माना गया एडम स्मिथ की भी यही मान्यता थी तथा रिकार्डो की भी। डाल्टन का कहना है कि लोक व्यय का यह वर्गीकरण दोषपूर्ण है और इसलिए इसे काफी पहले ही त्याग दिया गया।

Scanned with CamScanner